ब्रजलाल वर्मा मेमोरियल महाविद्यालय

विवरण पुस्तिका
एवं प्रवेश आवेदन पत्र

(सम्बद्ध : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर)

रेलवे स्टेशन सरसौल, फुफुवार, नियर महाराजपुर, कानपुर नगर

मो० : 7007902066, 8318030050, 7523989260

अध्यक्ष/प्रबन्धक	सचिव	संरक्षक/प्रेरणासोत्र
अवधेश वर्मा	सतीश वर्मा	डा.आई.एम.सेमवाल पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग डी.बी.एस.कालेज, कानपुर

मूल्य - ₹ 100/-

1.jpg

राष्ट्रीय गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।
गाहे तव जय गाथा,
जन गण मंगलदायक जय हे।
भारत भाग्य विधाता
जय हे! जय हे! जय हे!
जय जय जय जय हे!

वन्दे मात्रम्

वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम्
सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज-शीतलाम् ।
शस्य श्यामलाम् मातरम् ॥ वन्देमातरम् ॥
शुभ्र-ज्योत्सनां पुलकित यामिनीम् ।
फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल शोभिनीम् ॥
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम् ।
सुखदाम्, वरदाम् मातरम् ।
वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम् ॥

ईश वन्दना

वह शक्ति हमें दो दयानिधे, कर्तव्य मार्ग पर डट जावें ।
पर सेवा, पर उपकार में हम, जगजीवन सफल बना जावें ॥
हम दीन, दुखी, निबलों, विकलों के सेवक बन संताप हरें ।
जो हैं अटके भूले-भटके, उनको तारें खुद तर जावें ॥
छल, दम्भ द्वेष, पाखण्ड, झूठ अन्याय से निस दिन दूर रहें ।
जीवन हो शुद्ध सरल अपना, शुचि प्रेम सुधारस बरसावें ॥
निज आन मान मर्यादा का, प्रभु ध्यान रहे अभिमान रहे ।
जिस मातृ भूमि में जन्म लिया, बलिदान उसी पर हो जावें ॥

महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये निर्देश

1- प्रत्येक प्रवेशार्थी को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा निर्धारित अवधि तक प्रवेश ले लेना होगा।

2- प्रवेश आवेदन पत्र के साथ सभी प्रपत्रों को संलग्न करना अनिवार्य है।

3- यदि प्रवेशार्थी अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / पिछड़ी जाति / अन्य पिछड़ी जाति का / की है तो वह अपना जाति प्रमाण-पत्र एवं आय प्रमाण-पत्र भी अवश्य संलग्न करें। इससे वह छात्रवृत्ति मिलने में होने वाली असुविधा से बच सकेगा/सकेगी।

4- प्रत्येक प्रवेशार्थी को पूर्व शिक्षण संस्था से प्राप्त स्थानांतरण पत्र (टी.सी.) तथा चरित्र प्रमाण पत्र की मूल प्रतियाँ जमा करना अनिवार्य है।

5- महाविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क आवेदन पत्र के साथ जमा करने पर ही प्रवेशार्थी का प्रवेश मान्य होगा।

6- प्रत्येक विद्यार्थी को निर्धारित समय पर महाविद्यालय आना अनिवार्य है।

7- विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रत्येक विद्यार्थी की महाविद्यलय में 75% उपस्थिति अनिवार्य है। अन्यथा विश्वविद्यालय उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं देगा।

8- महाविद्यालय में अनुशासन का पालन अनिवार्य होगा। अनुशासन तोड़ने पर प्रवेश निरस्त किया जा सकता है जिसका पूर्ण उत्तर दायित्व विद्यार्थी का होगा।

9- महाविद्यालय परिसर में पान मसाला, सिगरेट तथा अन्य तम्बाकू उत्पादों तथा मादक पदार्थों का प्रयोग वर्जित है।

10- आप महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापक वर्ग एवं कर्मचारीगणों के साथ सहयोग करें।

इन निर्देशों का पालन करते हुए अपने महाविद्यालय एवं स्वयं को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में सहयोग करेंगे, ऐसा महाविद्यालय प्रशासन का विश्वास है।

भूतभावन भगवान शंकर आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करें।

प्राचार्य -

महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

बी.ए. एवं बी.एस.सी.

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर ने महाविद्यालय को स्ववित्त पोषित योजना के अर्न्तगत निम्नलिखित 12 विषयों में मान्यता प्रदान की है :-

1- संस्कृत
2- अंग्रेजी साहित्य
3- हिन्दी साहित्य
4- इतिहास
5- समाजशास्त्र
6- राजनीति विज्ञान
7- शिक्षा शास्त्र

1- भौतिक विज्ञान
2- रसायन विज्ञान
3- जन्तु विज्ञान
4- वनस्पति विज्ञान
5- गणित

इन सभी विषयों के छात्र-छात्राओं को सुयोग्य एवं कर्मठ शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जयेगा । वे रुचिकर ढंग से पढ़ाते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत् प्रयत्नशील रहेंगे।

ब्रजलाल वर्मा मेमोरियल महाविद्यालय

(सम्बद्ध : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर)
रेलवे स्टेशन सरसौल, फुफुवार, नियर महाराजपुर, कानपुर नगर

उद्देश्य

महाविद्यालय की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की गयी है कि इस ग्रामीण अंचल में रहने वाले विद्यार्थी साधनाभाव अथवा अर्थाभाव के कारण उच्च शिक्षा से वन्चित न रह जायें। आंचलिक छात्राओं की यह विशेष समस्या थी। इस महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही इस समस्या का स्थायी समाधान हो गया है।

नामकरण

अल्प शिक्षित होते हुए भी शिक्षा के महत्व को भली भाँति समझने वाले पूज्य पिताजी स्व० बृजलाल वर्मा, जिनकी प्रेरणा से उन्हीं की स्मृति में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी है।

विशेष

कोविड - 19 वैश्विक महामारी को देश स्वस्थ्य समाज के सभी वर्गों की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हुयी हैं इस स्थिति में ऐसे परिवार जिनमें असमयिक मृत्यु के पश्चात् उनके बच्चों की शिक्षा समस्या को नि:शुल्क प्रवेश देकर महाविद्यालय अपनी सामाजिक भूमिका का निर्वहन करेगा।

असतो मा सद्गमय ॥
तमसां मा ज्योर्तिगमय ॥
मृत्योंमा अमृतम् गमय् ॥

हे प्रभु, हमें असत् मार्ग से सत् मार्ग
की ओर एवं अंधकार से प्रकाश
की ओर ले चलें।
नश्वरता से अमरता की ओर ले चलें।